कलयुग विच आजा ओ सांवरे

कलयुग विच आजा ओ सांवरे,
असी तेरा लड़ फड़ेया ओ सांवरे,
ओ सांवरे, ओ सांवरे, ओ सांवरे,
कलयुग विच आजा ओ सांवरे॥

बदला विचो निकलेया चंद वे,
मेरे सांवरे दा बड़ा सोना रंग वे,
ओ अपने रंग विच रंग ले,
ओ सांवरे, कलयुग विच आ जा॥

बदला विचो निकले तारे,
मेरे शाम जी नू भगत प्यारे,
ओ इहना बदला तो वारे जावा,
ओ सांवरे, कलयुग विच आ जा॥

बदला विचो निकली बदली,
मेरे सांवरे दी बड़ी सोनी नगरी,
ओ चल वृंदावन चलिए,
ओ सांवरे, कलयुग विच आ जा॥

बदला वीचो निकलिया सूरज,
मेरे सांवरे दी बड़ी सोनी सूरत,
इस सूरत तो वारे जावे,
ओ सांवरे, कलयुग विच आ जा॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23749/title/kalyug-vich-aaja-oh-sanwre

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |